मॉड्यूल 1

किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट का परिचय

यूनिसेफ के पार्टनरों और सिविल सोसाइटी संगठनों के संदर्भ के लिए

किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट

© यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेंस फंड (यूनिसेफ)
© ब्रेकथ्रू

इस प्रकाशन को शिक्षा या लाभ रहित उद्देश्य हेतु पुनः उत्पादन कॉपीराइट धारक के अनुमति के बिना किया जा सकता है यदि इसके स्त्रोत को मान दें।

इंगित संसकरणः
“किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट” 2016, नई दिल्ली : यूनिसेफ एवं ब्रेकथ्रू
यूनिसेफ एवं ब्रेकथ्रू को ऐसे प्रतिलिपि को पाकर खुशी होगी जो इस प्रकाशन को स्त्रोत के तौर पर इस्तेमाल कर रहें हों।

यदि इस प्रकाशन को किसी भी व्यावसायिक प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाता है तो लिखित में अनुमति की जरूरत पड़ेगी।

अनुमति एवं अन्य सवालों के लिए संपर्क करें:
newdelhi@unicef.org

सामनेवाले कवर का फोटो
© UNICEF/India

UNICEF/India /Vitale

मॉड्यूल 1

किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट का परिचय

मॉड्यूल 1 में यूनिसेफ के पार्टनरों और सिविल सोसाइटी संगठनों के लिए किशोरवय सशक्तिकरण के बारे में मुख्य उत्पादों के विवरण के साथ टूलकिट का संक्षिप्त ब्यौरा दिया गया है।

आभार

किशोरावस्था सशक्तिकरण टूलकिट सरकार के सहयोगियों और सिविल सोसायटी संस्थाओं को एक साफसुथरे किशोरावस्था हस्तक्षेप कार्यक्रम के कार्यान्वयन करने हेतु प्रभावी प्रैक्टिकल साधन का प्रावधान करने के साथ-साथ इसकी सैद्धांतिक समझ भी विकसित करेगी।

किशोरावस्था सशक्तिकरण टूलकिट को अनेक लोगों और संस्थाओं के प्रयासों और स्वरों से समृद्ध किया गया है। इनमें रिसर्च स्टडी के साथ कार्यशाला के प्रतिभागी, शिक्षाविदों जैसे साझेदार, चुने गए स्थानीय प्रतिनिध, महत्वपूर्ण स्थानों पर कार्य कर रहे कर्मचारी, गैर सरकारी, सामुदायिक संस्थाएं और एक्टिविस्ट शामिल हैं। हम इन सभी का हार्दिक धन्यवाद करते हैं और साथ ही नीचे उल्लेखित सभी व्यक्तियों और संस्थाओं का भी धन्यवाद करते हैं, जिनकी अंतर्दृष्टि, अनुभव और कड़ी मेहनत ने इस टूलकिट को विकसित करने में मदद की।

- ब्रेकथ्रू के संकल्पनात्मक, तकनीकी और निर्देशात्मक डिजाइन संबंधी मार्गदर्शन के लिए खासकर **सुनीता मेनन** को, जिन्होंने मैसेज फ्रेमवर्क तैयार करने के साथ टूलकिट का लेखन और पायलट टेस्टिंग किया। **श्रुति दासगुप्ता**, **अपराजिता मुखर्जी**, **मेहर रहमान**, **मीता सेन** और **विकास चौधरी** को रिसर्च और फील्ड वर्क के आयोजन के लिए। **सोनाली खान**, **जॉशी जोश**, **पॉलीन गोम्स** को अनुशंसाओं को विकसित करने के लिए। **डॉ. लीना सुशांत**, **डॉ. संचिता घोष**, **बर्नाली दास**, **शाश्वता नोवा**, **हर्ष वर्धन** को इस टूलकिट को विकसित करने के दौरान तकनीकी इनपुट और सहयोग प्रदान करने के लिए।
- यूनिसेफ को उनके तकनीकी इनपुट, संपादकीय मार्गदर्शन और इस प्रकाशन को आकार देने में गहन योगदान के लिए। खासकर **जोसिम थेइस**, **डोरा गियूस्टी**, **रुद्रजीत दास**, **धुवारखा श्रीराम**, **अल्का मलहोत्रा**, **अरूपा शुक्ला** और **डेबी पॉल** को किट को विकसित करने के दौरान उनके विवेचनात्मक इनपुट के लिए।
- यह टूलकिट अनेक ऑनलाइन और ऑफलाइन संसाधनों पर तैयार की गई है। टीम ने गहन रूप से **यूनिसेफ**, **ब्रेकथ्रू**, **हार्वर्ड युनिवर्सिटी**, **बेअलर युनिवर्सिटी**, **माइंडटूल्स**, **एडवोकेट्स ऑफ यूथ**, **सेव द चिल्ड्रन**, **सेंटर फॉर सोशल रिसर्च** और **पॉपुलेशन काउंसिल** के प्रकाशनों और लेखों का संदर्भ लिया है।
- हम **राजस्थान**, **पश्चिम बंगाल**, **असम**, **तेलंगाना के यूनिसेफ स्टेट ऑफिसों** और **38 एनजीओ पार्टनरों** का टूलकिट को प्रमाणित करने और जांचने में उनकी भागीदारी, इनपुट और सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद प्रकट करते हैं।
- हम उन किशोरों का भी हार्दिक धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने किशोरावस्था सशक्तिकरण हस्तक्षेप में इस टूलकिट का प्रयोग करते हुए सक्रिय रूप से भाग लिया, जो वर्तमान में संपूर्ण भारत में लागू किया जा रहा है। हमें आशा ही नहीं विश्वास भी है कि यह समुदायों के नए नेताओं की पीढी को उनके जीवन में परिवर्तन लाने, और उनके घरों, पड़ोस और समुदायों में हिंसा और शोषण रोकने की दिशा में प्रेरित करेगा।

विषय सूची

यूनिसेफ के बारे में	पृष्ठ 2
ब्रेकथ्रू के बारे में	पृष्ठ 3
यूनिसेफ द्वारा प्रस्तावना	पृष्ठ 4
ब्रेकथ्रू द्वारा प्रस्तावना	पृष्ठ 5
संक्षिप्त सूची	पृष्ठ 6
परिचय	पृष्ठ 7
किशोरावय और सशक्तिकरण - यह टूलकिट क्यों तैयार किया गया?	पृष्ठ 10
संदर्भ	पृष्ठ 16

यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेंस फंड (यूनिसेफ)

190 देशों और क्षेत्रों में बच्चों को बचपन से लेकर किशोरावस्था तक उनके जीवन का बचाव और उसके पनपने के लिए कार्य करती है। विकासशील देशों को दुनिया के सबसे बड़े टीका प्रदाता के रूप में कार्य करते हुए यूनिसेफ बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण, अच्छा जल एवं सौच सुविधा, सभी बच्चों के लिए गुणवत्ता पूर्ण बुनियादि शिक्षा तथा हिंसा, शोषण और एड्स से रक्षा करती है। यूनिसेफ पूर्णतया व्यक्तियों, व्यापार संस्थानों और सरकारों द्वारा स्वेच्छा से दिये गए वित्तिय योगदान से पोषित है।

www.unicef.in

/unicefindia
@UNICEFIndia

United Nations Children's Fund, 73 Lodi Estate, New Delhi 110 003, India
☎ 91-11-24690401 🖷 91-11-24627521

✉ newdelhi@unicef.org

ब्रेकथ्रू एक मानवाधिकार संस्था है

जो महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाली हिंसा और भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम करती है। कला, मीडिया, लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागीदारी से हम लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिसमें हर कोई सम्मान, समानता और न्याय के साथ रह सके।

हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से इन मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं। इसे देश भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक बना रहे हैं। इसके साथ ही हम युवाओं, सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को प्रशिक्षण भी देते हैं, जिससे एक नई ब्रेकथ्रू जनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

www.inbreakthrough.tv

/BreakthroughIN
@INBreakthrough

E-1A, First Floor, Kailash Colony, New Delhi 110 048, India
☎ 91-11-41666101 🖷 91-11-41666107

✉ contact@breakthrough.tv

यूनिसेफ द्वारा प्रस्तावना

मानकीकृत मार्गदर्शन और गतिविधियों का व्यापक सेट **एडोलसेंट एम्पॉवरमेंट टूलकिट** के संबंध् में बताते हुए मुझे खुशी हो रही है, जो समुदाय स्तर पर किशोरों के लिए उनके सशक्तिकरण, संरक्षा और विकास के लिए है।

यूनिसेफ और ब्रेकथ्रू द्वारा विकसित टूलकिट के मॉड्यूल सरकारी सेवा प्रदाताओं, सिविल सोसायटी संस्थाओं और किशोरों के साथ काम करनेवाले डेवलपमेंट पार्टनरों द्वारा संपादित करने हेतु डिजाइन किए गए हैं। यह टूलकिट क्रियान्वयन करनेवाले साझेदारों को किशोरों के ज्ञान के निर्माण में मदद करेगी, उनके बीच सकारात्मक कार्य करने की सुविध प्रदान करेगी, उनके अधिकारों से उन्हें अवगत करा कर उनमें आत्मविश्वास पैदा करेगी, निवारक, उपचारात्मक और सुरक्षात्मक सेवाओं तक पहुंच को बढ़ावा देगी और उनके कौशल विकास के साथ स्थानीय प्रशासन में भागीदारी बढ़ाएगी।

यूनिसेफ इंडिया किशोरों को लेकर प्रतिबद्ध है और एक ऐसा जीवनचक्र र्दृष्टिकोण अपनाती है, जो विभिन्न सेक्टरों के योगदान को एकजुट करके किशोर-किशोरियों में मूल्यों और उनकी भागीदारी व सशक्तिकरण को बढ़ावा देती है। यूनिसेफ सरकारी विभागों और गैर सरकारी एजेंसियों के साथ किशोरों के समूहों की साझेदारी में काम करता है और हिस्सेदारों जैसे शिक्षकों, महत्वपूर्ण जगहों पर काम करनेवाले अधिकारियों, कानून का पालन करानेवालों, फेथ लीडरों और समुदाय के अन्य महत्वपूर्ण प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ सुरक्षित, सहयोगी और सशक्त समुदायों के निर्माण में व्यस्त है, जिनमें किशोर अपने जीवन को प्रभावित करनेवाले निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल होने में सहजता महसूस करें। ऐसा करने में यूनिसेफ का लक्ष्य ऐसे प्रभावी और मापनीय समाधनों, मॉडलों को भी बढ़ावा देना है, जो लाखों किशोरियों के साथ साथ किशोरों तक भी पहुंच सके।

इस टूलकिट को अनेक लोगों जैसे शिक्षाविदों, चुने गए स्थानीय प्रतिनिधि, महत्वपूर्ण स्थानों पर कार्य कर रहे कर्मचारी, गैर सरकारी संस्थाओं, सीबीसी रिसर्च और कार्यशाला के प्रतिभागियों के प्रयासों और स्वरों से समृद्ध किया गया था। इस टूलकिट में दी गई अधिकांश जानकारी अनेक रोचक रिसर्च स्टडीज, फील्ड के दौरों, मॉड्यूल का डेस्क रिव्यू, यूनिसेफ द्वारा निर्मित व सहयोग प्राप्त साधनों के साथ-साथ वर्तमान सरकार के कार्यक्रमों और योजनाओं से ली गई है।

हम उम्मीद करते हैं कि यह टूलकिट राज्यों व जिला स्तरों के किशोरावस्था संबंधी सशक्त कार्यक्रमों के निर्माण में मदद करेगी और किशोरों, समुदायों और सेवा प्रदाताओं के बीच मजबूत कड़ी के निर्माण के साथ क्रियान्वित होगी।

हेनरीट एहरेंस
डिप्टी रिप्रेजेंटेटिव, प्रोग्राम्स
यूनिसेफ इंडिया

ब्रेकथ्रू द्वारा प्रस्तावना

भारत में लगभग 240 मिलियन किशोर हैं, जो जनसंख्या का एक चैथाई हिस्सा हैं। किशोरावस्था आदर्श रूप से जीवन का वह दौर है, जहां इंसान व्यक्तिगत रूप से अपनी राय व्यक्त करता है और अपनी जानकारी से भरी पसंद और निर्णय लेना शुरू करता है। किशोरों की आवश्यकताओं पर ध्यान देने में वृद्धि हुई है, लेकिन पूरे भारत में लाखों किशोरों की शिक्षा, स्वास्थ्य व कहीं आने-जाने जैसे बुनियादी अधिकारों तक पहुंच नहीं है। 80 मिलियन से अधिक बच्चे अपनी प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं कर पाते (यूनिसेफ, 2014)। 15 से 19 साल की 60 प्रतिशत बालिकाएं खून की कमी (अनेमिया) की शिकार हैं (स्रोत : एनएफएचएस-3)। इन पर ध्यान देने की सख्त जरूरत है, ताकि उनका वयस्क जीवन बेहतर बने।

एक ओर जहां स्वास्थ्य और शिक्षा महत्वपूर्ण है, हमें फ्रेमवर्क का विस्तार करने और एक व्यापक मॉडल तैयार करने की जरूरत है। हिंसा, लिंग आधरित भेदभाव, और उपयोगी व समुचित जानकारी तक पहुंच ना होना उन्हें कमजोर बनाते हैं। युवा लड़कियां अकसर हाशिए पर नजर आती हैं। 47.4 प्रतिशत या दो में से एक महिलाएं बालिका वधू बनी हैं (जनगणना 2011)। बाल विवाह अकसर लड़कियों को हिंसा और गरीबी के चक्र में फसा देता है। वे स्कूल से निकाल ली जाती हैं, उन्हें शिक्षा और किसी सार्थक काम से वंचित कर दिया जाता है। बालिका वधू को घरेलू हिंसा, यौन शोषण और समाजिक अलगाव अधिक झेलने पड़ते हैं। बाल विवाह के कारण जल्दी यौन क्रिया और गर्भधरण से जुड़ी सेहत संबंधी जोखिम बढ़ जाता है। इससे जच्चा-बच्चा की उच्च मृत्यु दर के साथ एचआईवी सहित अन्य यौन व प्रजनन रोग की आशंका रहती है।

किशोरों के लिए लिंग समानता, स्वायत्तता और सशक्तिकरण पर निवेश ही कायम रहनेवाले विकास लक्ष्य की बुनियाद है। किशोरावस्था सशक्तिकरण टूलकिट इसी प्रयास का एक हिस्सा है और यह सरकारी सेवा प्रदाताओं, सामुदायिक समूहों, सिविल सोसायटी संस्थाओं, महत्वपूर्ण स्थानों पर कार्य करनेवाले अधिकारियों और अभिभावकों को एक बहुत आवश्यक साधन मुहैया कराती है, ताकि वे किशोरावस्था प्रोग्रामिंग में व्यापक रूप से हस्तक्षेप कर सकें। इन हिस्सेदारों द्वारा किए गए सामूहिक और समकालिक प्रयास व कार्य किशोरों को समाजिक-आर्थिक खुशहाली की ओर ले जाएंगे।

यह टूलकिट किशोर लड़के-लड़कियों को ज्ञान, कौशल और साथियों के समूह का सहयोग देगी, ताकि वे स्वयं को हिंसा, शोषण, बाल विवाह से बचा सकें और अपने समुदाय को अधिक सुरक्षित बना सकें। यह माता-पिताओं और समुदाय के सदस्यों के लिए किशोरों से संबंधित कानून, योजनाओं और कार्यक्रमों तक पहुंच को आसान बनाती है और किशोरों को जानकारी देने के साथ उन्हें निर्णय लेने और सेवाओं तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। इस टूलकिट में अनेक इंटरेक्टिव सत्र, संसाधन, मल्टीमीडिया टूल्स और प्रैक्टिकल कौशल निर्माण मॉड्यूल हैं, जो संस्थाओं को किशोरों के लिए प्रभावी व कायम रहनेवाली परियोजनाओं को डिजाइन करने और उन्हें लागू कराने में मददगार साबित होंगी।

मैं आशा करता हूं कि यह टूलकिट विभिन्न हिस्सेदारों द्वारा नए लिंग विश्लेषण और मानव अधिकार दृष्टिकोण को एकीकृत करने के साथ-साथ किशोरों के लिए वर्तमान में चल रही परियोजनाओं के लिए व्यापक रूप से प्रयोग में लाई जाएगी, ताकि वे जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय ले सकें और लिंग आधरित हिंसा से बचाव कर सकें।

सोनाली ख़ान
वाइस प्रेसीडेंट एंड कंट्री डाइरेक्टर
ब्रेकथ्रू

संक्षिप्त सूची

ए.आई.डी.एस.	अक्वायर्ड इम्यून डेफिशियेंसी सिंड्रोम
ए.एन.एम.	ऑक्सिलियरी नर्स मिडवाईम्स
ए.एस.एच.ए.	अक्रेडिटेड सोशल हेल्थ एक्टिविस्ट
ए.डब्लू.डब्लू.	आंगनवाड़ी वर्कर
बी.डी.ओ.	ब्लॉक डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर
सी.बी.ओ.	कम्युनिटी बेस्ड ऑर्गनाइज़ेशन
सी.एच.सी.	कम्युनिटी हेल्थ सेंटर
सी.एम.ओ.	चीफ मेडिकल ऑफिसर
सी.एस.ओ.	सिविल सोसाइटी ऑर्गनाइज़ेशन
जी.बी.भी.	जेंडर बेस्ड वायलेंस
एच.आई.भी.	ह्यूमन इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस
आई.सी.डी.एस.	इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवल्पमेंट स्कीम
आई.ई.सी.	इनफार्मेशन, एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन
एन.जी.ओ.	नॉन-गवर्नमेंट ऑर्गनाइज़ेशन
पी.एच.सी.	पब्लिक हेल्थ सेंटर
पी.आर.आई.	पंचायती राज इंस्टीट्यूशन
एच.एस.जी.	सेल्फ हेल्प ग्रुप
एस.एम.सी.	स्कूल मेनेजमेंट कमिटी
एस.टी.आई.	सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शन्स
यू.डी.एच.आर.	यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ़ ह्यूमन राइट्स

परिचय

यूनिसेफ

इस संगठन ने भारत में वर्ष 1949 में तीन स्टॉफ सदस्यों के साथ काम करना शुरू किया था और तीन वर्ष बाद दिल्ली में एक कार्यालय स्थापित किया। वर्तमान में, यह 16 राज्यों में भारतीय बच्चों के अधिकारों का पक्षसमर्थन करता है।

जाति, नृजातियता, लिंग (जेंडर), गरीबी, क्षेत्र या धर्म के आधार पर असमानताएं कम करते हुए बच्चों, किशोरों और महिलाओं की उत्तयरजीविता, वृद्धि, विकास, सहभागिता और संरक्षण के अधिकारों की दिशा में तरक्की हासिल करना यूनिसेफ का लक्ष्य है।

यूनिसेफ, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, शिक्षा और बाल संरक्षण के चिंताजनक मसलों के समाधान के लिए बहु-आयामी विधियों का उपयोग करता है। इसका ध्येय परिवारों और समुदाय के सदस्यों का योगदान समझाने में उन्हें भागीदार बनाना है ताकि उनके बच्चे का सही विकास सुनिश्चित किया जा सके, और सामुदायिक अग्रणी युवायों को उभरने और प्रेरित करने के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध हो।

यूनिसेफ, इन मुद्दों को समझने के लिए, तथा बच्चों की समस्याओं के समाधान के लिए आसानी से लागू किए जा सकने वांले नए तरीके बनाने और लागू करने में सामुदायिक ज्ञान और गुणवत्तापरक शोध का इस्तेमाल करता है, और जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने के लिए पार्टनरों के साथ मिलकर काम करता है।

13 राज्य कार्यालयों, संयुक्त राष्ट्र संघ की अन्य समकक्ष एजेंसियों तथा एनजीओ, स्वयं-सहायता समूहों, और कई मशहूर अभियानकर्ताओं के साथ साझेदारियों की अपनी अनूठी व्यवस्था के द्वारा यूनिसेफ राष्ट्रीय स्तर पर काम करने के साथ सबसे गरीब और सबसे वंचित समुदायों पर ध्यान केंद्रित करने में भी सफल रहा है।

बाल विवाह की रोकथाम करने और किशोरावय सशक्तिकरण के लिए केंद्रित राष्ट्रीय नीति के क्रियान्वयन के साथ भारत सरकार के प्रयासों में यूनिसेफ मदद करता है, जिसमें निम्न शामिल हैं :

- **कानून का प्रवर्तन-** कानूनों के बारे में क्षमता-सृजन, सहायक प्रणालियां जैसे कि बाल विवाह निषेध टेलीफोन हेल्पलाइन
- **लड़कियों का सशक्तिकरण-** जीवन कौशल, संरक्षण कौशल
- **सामुदायिक लामबंदी-** प्रभावशाली लीडरों के साथ मिलकर कार्य करना, शपथ और प्रतिज्ञाएं, परामर्श, लोक और परंपरागत माध्यम
- सभी स्तरों पर, विशेषकर शैक्षिक और समाजिक सुरक्षा वाली योजनाओं और कार्यक्रमों में, सेक्टरों के **कन्वर्जेन्स** को बढ़ावा देना

इन मुद्दों से निपटने के लिए एक सर्वांगीण तरीका सुनिश्चित करने के लिए यूनिसेफ कई विविध तथा नए सेक्टरों के साथ कार्य कर रहा है क्योंकि बाल विवाह की समस्या, समाजिक ढांचे की अन्य समस्याओं जैसे गरीबी और अनुपयुक्त शिक्षा तथा रोजगार के अभाव आदि के साथ गुंथी हुई है। सामुदायिक लामबंदी के प्रयास तथा मानसिकता में बदलाव को सुगम बनाने के लिए, सिविल सोसाइटी संगठनों तथा समुदायों से साझेदारी ज़रूरी है, जबकि बाल विवाह के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मीडिया से साझेदारी बहुत मायने रखती है।

© Breakthrough/India

किशोरों के लिए यूनिसेफ इंडिया का कार्य

किशोरों के लिए यूनिसेफ के कार्य को मोटे तौर पर इन दो श्रेणियों में रखा जा सकता हैः (a) किशोरावय स्वास्थ्य एवं पोषणः किशोरवय गर्भाधान रोकथाम, गर्भवतियों के लिए केन्द्रीकृत प्रसव-पूर्व देखभाल, किशोरियों में एनीमिया का नियंत्रण, माहवारी के दौरान स्वच्छता, पानी और साफ-सफाई आदि; (b) किशोरवय सशक्तिकरण तथा संरक्षण, बाल विवाह में कमी, किशोरों के समूह तैयार करना, जीवन कौशल की शिक्षा, किशोरियों की प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा तक पहुंच, आदि)

यूनिसेफ, किशोरों के लिए एक एकीकृत और समग्र विधि को लगातार मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहा है। ऐसा करते हुए ऐसे कारगर और व्यावहारिक मापनीय समाधानों को बढ़ावा देना इसका ध्येय है जो लाखों लड़कियों तथा किशोरों तक पहुंच सकें।

किशोरवय के साथ तथा उनके लिए किए जाने वाले कार्यों का सम्पूर्ण लक्ष्य किशोरियों की अहमियत बढ़ाना, किशोरवय के जीवन को प्रभावित करने वाले फैसलों के बारे में उनको अधिक स्वतंत्रता प्रदान करना है, बाल विवाह और कम उम्र में गर्भधारण की रोकथाम करना है तथा सेवाओं और पात्रताओं तक किशोरों की पहुंच में सुधार करना है।

यूनिसेफ भारत में दस से अधिक राज्यों में संगठित 20,000 किशोरियों के समूहों में 200,000 से अधिक किशोरियों तक पहुंच पाया है। महाराष्ट्र में दीपशिखा कार्यक्रम, देश में किशोरियों के लिए यूनिसेफ की ओर से सबसे प्रसिद्ध पहल है।

यूनिसेफ ने अपने काम में किशोरियों पर काफी ध्यान केंद्रित किया है। भारत में लड़कियों से भेदभाव किया जाता है। समाज में उनका उचित दर्जा और अहमियत न होना, घटते लैंगिक अनुपात, कुपोषण की उच्च दर, स्कूलों में कम नामांकन तथा शिक्षा पूरी करने के निम्न अनुपात, श्रमशक्ति में भागीदारी की निम्न दर, तथा बाल विवाह व लड़कियों के विरूद्ध हिंसा की ऊंची दर में साफ दिखता है। लड़कियों को अहमियत देने के लिए स्कूली व जीवन कौशल की शिक्षा, लड़कियों को सपोर्ट करने के लिए अभिभावकों तथा समुदायों को प्रेरित करने, तथा सेवा प्रदाताओं के साथ मिलकर कार्य करने के जरिए लड़कियों का सशक्तिकरण आवश्यक है ताकि स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य समाजिक सेवाओं तक लड़कियों की पहुंच बिना किसी भेदभाव और अपवर्जन के सुनिश्चित की जा सके।

किशोरावय सशक्तिकरण के तरीकों में इस समय 'बहुमुखी विकास आधारित' विधि का उपयोग किया जाता है। पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य या व्यावसायिक कौशल आदि जैसे किसी मात्र एक सेक्टर में निवेश करने के बजाय किशोरवय बहुमुखी विकास विधि में कई विधियों पर विचार किया जाता है जो किशोरों (लड़कियों और लड़कों) के विकास, सशक्तिकरण और संरक्षण के लिए आवश्यक होती हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि सारा बहुमुखी विकास "उपलब्ध" कराया जाना है, बल्कि इसका अर्थ यह है कि किशोरों के विकास और सशक्तिकरण के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निवेश करना जरूरी है जो संदर्भ (...) पर निर्भर करता है।

किशोरवयों की अपने जीवन, अपने परिवारों और अपने समुदायों में परिवर्तन का वाहक बनने में मदद करना, किशोरवय सशक्तिकरण कार्यक्रम के मूलबिंदू है। किशोरियों और किशोरों की रूपांतरणकारी क्षमता को प्रेरित और उन्मुक्ति करना ही इस कार्यक्रम का ध्येय है।

ब्रेकथ्रू

ब्रेकथ्रू एक मानवाधिकार संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाली हिंसा और भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम करती है। कला, मीडिया, लोकप्रिय संस्कृकति और सामुदायिक भागीदारी से हम लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिसमें हर कोई सम्मान, समानता और न्याय के साथ रह सके। हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यकम से इन मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं। इसे देश भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक बना रहे हैं। इसके साथ ही हम युवाओं, सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को प्रशिक्षण भी देते हैं, जिससे एक नई ब्रेकथ्रू जनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

ब्रेकथ्रू का किशोरावय एवं युवा हस्तक्षेप कार्यक्रम

ब्रेकथ्रू युवा लीडरों की ऐसी अगली पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है जो भारत तथा इसके बाहर भी महिलाओं के प्रति हिंसा को अमान्य बनाने की दिशा में मदद करेगी। ब्रेकथ्रू की ओर से 'राइट्स एडवोकेट्स प्रोग्राम' नामक पहल ने भारत भर में 100,000 युवाओं का नेतृत्वु तैयार किया है, और उनको अपने घरों, समुदायों, स्कूलों, तथा इससे भी व्यापक रूप में बदलाव लाने के लिए प्रेरित और सक्षम बनाया है।

- पूरे भारत में 100,000 लोगों को महिला अधिकारों एवं स्वस्थ लैंगिकता सहित महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में शिक्षित किया।
- लिंग आधारित हिंसा के लिए अधिकार आधारित एवं लिंग-संवेदनशील प्रतिक्रिया अपनाने के लिए 5,000 सरकारी कर्मचारियों को तैयार किया।
- कर्नाटक में 50,000 किशोरियों को लिंग, प्रजनन स्वास्थ्य, स्वच्छता और यौन शोषण के बारे में शिक्षित किया और उन्हें केवल तथ्यों से ही अवगत नहीं कराया बल्कि अनेक लड़कियों को उन शिक्षकों प्रजनन के खिलाफ, जिन्होंने उन्हें परे उन्हें परेशान किया था, की शिकायत करने और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के लिए भी प्रेरित किया।
- हरियाणा में 150 स्कूलों के किशोरियों एवं किशोरों को लिंग आधारित भेदभाव और जीवन कौशल के बारे में शिक्षित किया।
- 14 गांवों के 18-30 आयु वर्ग के 250 से अधिक पुरुषों की अपने घरों में और बाहर मानवाधिकारों को समझने में सहायता की: अब लड़के घरेलू कामकाज में भाग लेते हैं और मातृ मृत्यु दर एवं घरेलू हिंसा का समाधान करने वाले सामुदायिक कार्यक्रम चलाते हैं।
- कर्नाटक और उत्तार प्रदेश में युवा केंद्र खोले गये जहां राइट्स एडवोकेट्स ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं, भाग ले सकते हैं, संगठित हो सकते है और सामुदायिक कार्यवाही को सशक्तर बनाने के लिए आपस में संबंध बना सकते हैं।
- चुनौतीपूर्ण पुरुष कोचों को हिंसा विरोधी सलाहकार बनाने एवं पुरुष खिलाड़ियों को लड़कियों का सम्मान करने, हिंसा रोकने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए भारत के सबसे बड़े खेल, क्रिकेट की संस्कृति का अच्छी तरह से प्रयोग करके पायलट कार्यक्रम (परिवर्तन प्रोजेक्टर के माध्यम से) पर कार्य किया गया
- पहल के परिणामस्वरूप भारत में घरेलू हिंसा अधिनियम से महिलाओं की सुरक्षा की जागरूकता में 49% की वृद्धि, और महिला उत्तरजीवी सेवाओं वाले कुछ क्षेत्रों तथा अधिनियम के बेहतर कार्यान्वयन की मांग में 15% की वृद्धि हुई

किशोरावय और सशक्तिकरण - यह टूलकिट क्यों तैयार किया गया?

किशोरावय जिसे 10 से 18 वर्ष के बीच की उम्र वाले युवा लोगों को दर्शाती जीवन अवस्थो के रूप में परिभाषित किया गया है, एक महत्वपूर्ण अवधि है जो व्यक्ति के जीवन की गति को निर्धारित करती है। ये वह अवस्था होती है जिसमें महत्वपूर्ण निवेश और सहयोग करके किशोरवय को सशक्तिकरण एवं विकास के पथ पर अग्रसर किया जा सकता है, ताकि भेदभाव, अवरोधों, समाजिक कुरीतियों एवं हिसां आदि से उन्हे बचाया जा सके, जो उन्हें ही नहीं अपितु समाज और भावी पीढ़ियों के लिए भी बहुत नकारात्मक साबित हो सकती है। अपने जीवन को प्रभावित करने वाले मामलों के बारे में किशोरियों एवं किशोर की निर्णय लेने की क्षमता सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण पहलू है, लेकिन समाजीकरण, जो लिंग, धर्म एवं जाति के प्रभाव के साथ जीवन में जल्दी तथा किशोरवय के दौरान शुरू हो जाता है, प्राय: अपने बारे में निर्णय लेने में किशोरवयों के लिए बाधा बना हुआ है। लड़कियों तथा लड़कों दोनों के लिए किशोरावस्था, परिचय के अभाव, लिंग दबाव, भेदभाव व हिंसा उत्पन्न करने वाली, बचपन से वयस्कता तक सुरक्षित एवं स्वस्थ अवस्थांतर को प्रभावित करने वाली एक महत्वपूर्ण अवस्था है।

किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट युवा किशोरवयों के लिए सैद्धांतिक समझ का तथा किशोरावय हस्तक्षेप कार्यक्रम लागू करने के लिए प्रभावी व्यावहारिक साधनों के साथ कार्य कर रहे नागरिक समाज संगठनों का प्रबंध करेगा। यह किशोरावय हस्तक्षेप कार्यक्रम को सुगम बनाएगा जो सुरक्षित मंच और सुविधाजनक वातावरण का, जहां किशोरवय अपने जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों का निर्णय लेने में भाग ले सकते हैं, के निर्माण को बढ़ावा देकर किशोरवय से वयस्कता तक सहज परिवर्तन को बढ़ावा देता है। किशोरावय सशक्तिकरण टूलकिट के प्रभावी उपयोग के साथ सीएसओ (CSO's) किशोरवय समझ का निर्माण कर सकते हैं, सकारात्मक प्रथाओं को सुविधाजनक बना सकते हैं, निवारक, उपचारात्मक, सुरक्षात्मक सेवाओं को बढ़ावा दे सकते हैं और स्थानीय प्रशासन में किशोरवयों के कौशल एवं सहभागिता को बढ़ा सकते हैं।

किशोरावय सशक्तिकरण टूलकिट में किशोरावय सशक्तिकरण की किस प्रकार से व्याख्या की गयी है?

ये किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट यूनीसेफ समर्थित पॉपुलेशन काउंसिल की स्टडी - अंडरस्टैंडिंग अडोलोसेंट एम्पॉवरमेंट : अ क्वालिटेटिव एक्सप्लोरेशन से प्रभावित है।

इस स्टडी में कबीर (1994) ने सशक्तिकरण को परिभाषित करते हुए कहा कि, “सशक्तिकरण लोगों में जीवन के महत्वपूर्ण फैसले लेने की क्षमता का विस्तार है, जिन्हे इस संदर्भ में इससे पहले ये क्षमता नहीं दी गई थी”। इसी परिभाषा को आगे बढ़ाते हुए, मलहोत्रा (2002) कहते हैं कि सशक्तिकरण में दो महत्वपूर्ण तत्व होते हैं जो इसे “सत्ता” के आम सिद्धांत से अलग करते हैं, अशक्तिकरण की स्थिति से बदलाव या उसकी प्रक्रिया का विचार और इसमें मौजूद मानवीय अभिकरण। इसलिए किशोरवय सशक्तिकरण की ये अवधारणा बनती है कि समय के साथ अभिकरण में वृद्धि होती है और विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए लड़कियां और लड़के में खुद को स्थापित करने का आत्मविश्वास बढ़ता है, वे अपने अधिकारों के प्रति जागरुक होते है, और इससे उन्हे स्वास्थय एवं लिंग संबंधित मुद्दों और प्रजनन स्वास्थय के विषय में प्रशिक्षण मिलता है।

कबीर की समझ और मल्होत्रा एवं अन्यय लोगों (2002) की रूपरेखा का उपयोग करते हुए निम्नलिखित चारों आयामों को देखते हुए, एक उपयोगी एवं अति-व्यापक संरचना विकसित की गई है

- समाजिक-सांस्कृतिक
- पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक
- मनोवैज्ञानिक
- आर्थिक

चित्र 1: सशक्तिकरण के चालकों और उपायों का योजनाबद्ध निरूपण

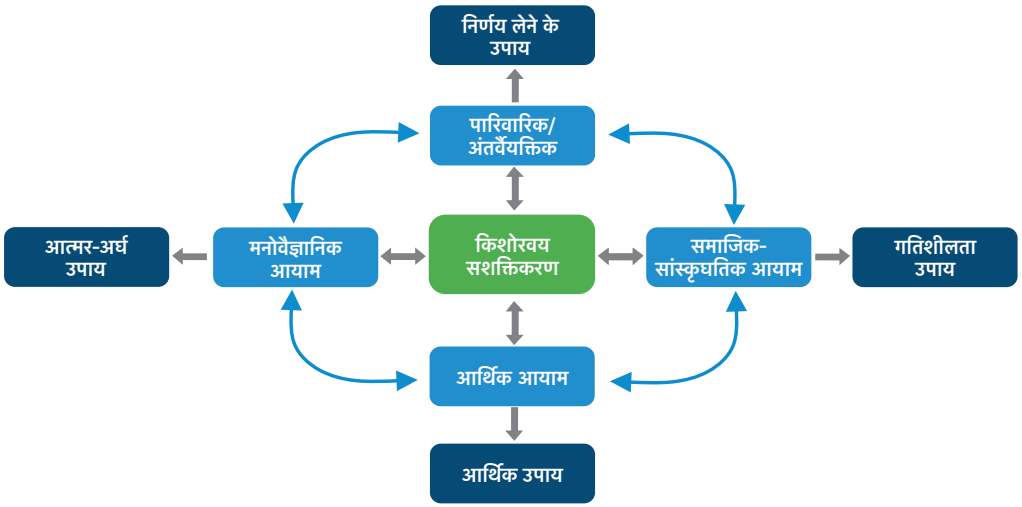

© Breakthrough/India

किशोरावय सशक्तिकरण टूलकिट के उद्देश्य

किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट की संकल्पना युवा लोगों के साथ कार्य कर रहे नागरिक समाज संगठनों के लिए उपकरण के रूप में की गयी है। टूलकिट किशोरवय हस्तक्षेप पर आधारित कार्यक्रम बनाने के लिए संगठनों और हितधारकों की मदद करेगा। यह उस प्रक्रिया को सुगम बनाने में उन्हें सक्षम बनाएगा, जहां किशोरवय समय के साथ अभिकरण में वृद्धि का अनुभव और प्रदर्शन करते हैं। किशोरवय सशक्तिकरण की रूपरेखा के आधार पर तैयार किए गए विभिन्नय कार्यक्रम सुनिश्चित करेंगे कि लड़कियों और लड़कों को अपनी स्वूयं की बात दृढ़तापूर्वक कहने के लिए आत्मविश्वास प्रदान किया जाए, उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और कार्यवाही करने के लिए उन्हें सशक्त बनाया जाए। किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट में शामिल तीन प्रमुख उद्देश्य हैं -

1. किशोरियों एवं किशोरों के पास हिंसा, शोषण एवं बाल विवाह से स्वयं को बचाने और अपने समुदाय को सुरक्षित बनाने के लिए कार्यवाही करने के लिए ज्ञान, कौशल और साथियों के समूह का समर्थन ताकि वो माध्यामिक शिक्षा की ओर बढ़ सकें।
2. माता-पिता और समुदाय के सदस्य जानकारी मांगने, माध्यामिक शिक्षा के सेवाओं तक पहुंचने में किशोरियों एवं किशोरों की मदद करेंगे और निर्णय लेने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करेंगे। वे बीच में स्कूल छोड़ने, हिंसा, शोषण और बाल विवाह से किशोरियों एवं किशोरों को बचाने के लिए सुरक्षात्मक एवं सहायक वातावरण तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।
3. समुदाय जागरूक होगा और सरकारी सेवा प्रदाताओं, कानून, योजनाओं और किशोरवयों के लिए कार्यक्रमों का उपयोग करने और हिंसा एवं शोषण को रोकने में सक्षम होगा और किशोरवय के स्कूल में नामांकन में समर्थन ताकि वे माध्यमिक शिक्षा की ओर बढ़ सकें।

किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट कैसे तैयार किया गया?

किशोरावय सशक्तिकरण टूलकिट ब्रेकथ्रू द्वारा यूनिसेफ के लिए तैयार किया गया है।

नेतृत्वकारी इसे कई लोगों और संगठनों के प्रयासों और विचारों से लाभान्वित किया गया है। इसमें अनेक शोध अध्ययन प्रतिभागी, कार्यशाला प्रतिभागी और हितधारक जैसे कि शिक्षाविद, स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधि और नेतृत्वकारी कार्यकर्ता, गैर सरकारी एवं समुदाय आधारित संगठन शामिल हैं। सबला प्रशिक्षण मॉड्यूल जैसे सरकारी कार्यक्रमों तथा जन सहयोग एवं बाल विकास राष्ट्रीय संस्थान की योजना पुस्तिकाओं का भी उल्ल्ेख किया गया है। ब्रेकथ्रू ने शैशव, बांग्ला नाटक और बालसंसार जैसे यूनिसेफ सहयोगियों के किशोरवय हस्तयक्षेप कार्यक्रमों के अध्य्यन के लिए क्षेत्रीय दौरों का भी आयोजन किया। संदर्भित अन्य सभी संसाधनों की विस्तृत संदर्भ-ग्रंथ सूची इस पुस्तक के अंत में संलग्न है।

इसके अतिरिक्त, दुनिया भर से किशोरावय हस्तक्षेप पर आधारित प्रमुख साहित्य तथा टूल्स का अध्ययन किया गया। इनमें से बहुत सारे टूल्स किशोरावय हस्तक्षेप के लिए यूनिसेफ द्वारा तैयार एवं प्रोत्साहित किए गए और इसने टूलकिट की विषयवस्तु और दृष्टिकोण को प्रभावित किया। यूनिसेफ द्वारा अध्ययन किए गए कुछ प्रमुख साहित्यक एवं टूल्स :-

तालिका 1: विषय सूची की समीक्षा

क्र. सं.	शीर्षक	सामग्री का प्रकार	लेखक/संगठन
1	सकारात्मक वृद्धि.... अगला कदम	रिपोर्ट	प्रयास/यूनिसेफ
2	किशोरवय सशक्तिकरण को समझना- एक गुणात्मक अन्वेषण	डेस्क रिव्यू	जनसंख्या परिषद/यूनिसेफ
3	भारत में लड़कियों की शादी में विलम्ब	रचनात्मक अनुसंधान	यूरोपीय आयोग/आईसीआरडब्ल्यू/यूनिसेफ
4	महत्वपूर्ण संवाद वीडियो का उपयोग करके किशोरियों का सशक्तिकरण	प्रोजेक्ट रिपोर्ट	स्टडी हाल शैक्षिक संस्थान/यूनिसेफ
5	टीओटी के लिए मॉड्यूल- किशोरियों के लिए जीवन कौशल	दीपशिखा मॉड्यूल 1 से 3	यूनिसेफ
6	किशोरियों के साथ कार्य करना- लिंग, बाल संरक्षण एवं शिक्षा की चर्चा करना	प्रेरिकाओं के लिए विवरण पुस्तिका	IKEA/यूनिसेफ
7	नाटक के माध्यम से जीवन कौशल शिक्षा	मॉड्यूल	समाजिक न्याय विभाग - गुजरात/यूनिसेफ
8	नाटक आधारित जीवन कौशल का उपयोग करके -लड़कियों के जीवन को प्रेरित करना	रिपोर्ट	यूनिसेफ
9	किशोरियों का जीवन कौशल कार्यक्रम लिंग एवं विकास भाग 1/2/3	टीओटी मॉड्यूल	यूनिसेफ/बार्कलेज/महाराष्ट्र सरकार
10	शादी अभी नहीं	चित्र पुस्तिका	यूनिसेफ

क्र. सं.	शीर्षक	सामग्री का प्रकार	लेखक/संगठन
11	पारिवारिक देखभाल	विवरणिका	यूनिसेफ
12	प्रत्येक बच्चे को हिंसा और शोषण से संरक्षण प्रदान करें	विवरणिका	यूनिसेफ
13	बाल विवाह कुप्रथा	विवरणिका	यूनिसेफ
14	बाल विवाह का अंत	विवरणिका	यूनिसेफ
15	बच्चों को स्कूल भेजें	विवरणिका	यूनिसेफ
16	'क्यों' और 'क्या' विवरणिका	विवरणिका	यूनिसेफ
17	नवज्योति रोल मॉडल्स	पुस्तक	यूनिसेफ
18	बाल विवाह	मीडिया किट/शोध अध्ययन/प्रशिक्षण टूलकिट	यूनिसेफ
19	बाप वाली बात	पोस्टर, होर्डिंग, फ्लाइअर, भित्ति चित्रकारी, टीवी और रेडियो स्थल	यूनिसेफ
20	यूनिसेफ राज्य कार्यालय कार्यशाला	रिपोर्ट	ब्रेकथ्रू
21	संप्रेषण रणनीति दस्तावेज	रिपोर्ट	यूनिसेफ
22	दीपशिखा- बेहतर कल के लिए प्रकाश दीप	चित्र निबंध	यूनिसेफ/महाराष्ट्र सरकार/बर्कलेज
23	दीपशिखा- जीवन कौशल प्रोजेक्ट- महाराष्ट्र में किशोरियों को सशक्त बनाने के अनुभव	रिपोर्ट	यूनिसेफ
24	उज्जवल भविष्य का निर्माण	विवरणिका	यूनिसेफ

नागरिक समाज संगठन एवं अन्य हितधारक किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट का किस तरह से उपयोग कर सकते हैं?

किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट के विभिन्न उत्पादों, इसके उपयोग करने और किशोरावस्था सशक्तिकरण के आयाम के साथ टूलकिट का त्वरित संदर्भ प्राप्त करने के लिए नागरिक समाज संगठनों एवं अन्य हितधारकों हेतु एक साधारण संदर्भ नीचे तैयार किया गया है।

तालिका 2: उत्पाद सूची

उत्पाद सं.	शीर्षक एवं संक्षिप्त विवरण	सीएसओ निम्नलिखित परिणाम प्राप्त करने के लिए उत्पादों का उपयोग करें	किशोरवय सशक्तिकरण रूपरेखा के आच्छादी आयाम
उत्पाद 1	**किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट का परिचय**	किशोरवय सशक्तिकरण टूलकिट का त्वरित अवलोकन करना और प्रासंगिक संदर्भ के अनुसार सही उत्पाद का उपयोग करना।	-
उत्पाद 2	**किशोरवय सशक्तिकरण रूपरेखा पर आधारित परिवर्तन का सिद्धांत**	कार्यक्रम नियोजन की रणनीति बनाना, सुनिश्चित करना कि कार्यक्रम परिणाम उन्मुख हो और किशोरवय हस्तक्षेप का अनुक्रम तैयार करना	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक

उत्पाद सं.	शीर्षक एवं संक्षिप्त विवरण	सीएसओ निम्नलिखित परिणाम प्राप्त करने के लिए उत्पादों का उपयोग करें	किशोरवय सशक्तिकरण रूपरेखा के आच्छादी आयाम
उत्पाद 3	**किशोरावय सशक्तिकरण- क्यों, क्या, कैसे?**	किशोरवयों के साथ कार्य करने के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न विधियों के बारे में मुख्या जानकारी के साथ नागरिक समाज कार्यकर्ता/अभिकर्ता प्रदान करना; जो वैचारिक स्पष्टता प्रदान करने के अलावा इस विषय में उपयोगी जानकारी देते हैं कि कुछ कार्यक्रम कैसे और क्यों अच्छी तरह से कार्य करते हैं और किशोरवयों के लिए सशक्तिकरण विधि क्यों महत्वपूर्ण है।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक
उत्पाद 4	**कार्यरत हितधारकों के लिए सामुदायिक लामबंदी के टूल्स।**	विवरणिका, मोबाइल वीडियो वैन, नुक्कड़ नाटक, लिंग आधारित हिंसा तथा बाल विवाह की चर्चा करने वाले मेलों जैसे टूल्स के माध्यम से समुदाय को लामबंद करने में समुदायिक कार्यकर्ताओं और किशोरवयों को समर्थ बनाना।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक, मनोवैज्ञानिक
उत्पाद 5	**किशोर एवं किशोरियों को सशक्त बनाने के लिए जीवन कौशल पाठ्यक्रम।**	सीएसओ को किशोरवय लड़कियों और लड़कों के साथ जीवन कौशल कार्यशालाएं आयोजित करने को आसान बनाना, जो उन्हे आत्मचेतना की उस यात्रा पर ले जाएं जहां वे महत्वपूर्ण सोच-विचार की क्षमता, अंर्तवैयक्तिक क्षमताएं विकसित कर सकें, और उन्हे मीडिया व अन्य हितधारकों को लामबंद करने के उपाय उपलब्ध करवाना।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक
उत्पाद 6	**लिंग आधारित हिंसा- किशोरवयों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है?** **लिंग आधारित हिंसा के बारे में रेडी रेकनर और बाल विवाह, हिंसा, आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए अंतरानुभागीय विधि, और अधिकार।**	दस्तावेज को भारत में लिंग आधारित हिंसा और किशोरवय के संदर्भ में समझने में तैयार निर्देशांक के तौर पर इस्तेमाल करना। किशोरवयों के साथ कार्य करने के लिए प्रवेश बिंदु की पहचान करना। समर्थन तंत्र के लिए संसाधनों और सेवाओं हेतु संदर्भ तैयार रखना।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक
उत्पाद 7	**बाल विवाह: समस्या और संभावित निवारण।** **सीएसओ की भागीदारी द्वारा बाल विवाह क्षेत्र हस्तक्षेप के लिए रेडी रेकनर।**	भारत में बाल विवाह के विषय को समझने में तैयार संदर्भ के रूप में दस्तावेज का उपयोग करना। बाल विवाह के मुद्दे का समाधान करने के लिए प्रवेश बिंदु की पहचान करना।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक
उत्पाद 8	**बाल विवाह और हिंसा का समाधान करने हेतु किशोरवय सशक्तिकरण के बारे में किशोरों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल।**	बाल विवाह और हिंसा का समाधान करने में किशोरों की नेतृत्व क्षमता का निर्माण करना।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक, मनोवैज्ञानिक
उत्पाद 9	**बाल विवाह और हिंसा का समाधान करने हेतु किशोरवय सशक्तिकरण के बारे में किशोरियों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल।**	बाल विवाह और हिंसा समाधान करने में किशोरियों की नेतृत्व क्षमता का निर्माण करना।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक, मनोवैज्ञानिक

उत्पाद सं.	शीर्षक एवं संक्षिप्त विवरण	सीएसओ निम्नलिखित परिणाम प्राप्त करने के लिए उत्पादों का उपयोग करें	किशोरवय सशक्तिकरण रूपरेखा के आच्छादी आयाम
उत्पाद 10	**बाल विवाह और हिंसा का समाधान करने हेतु किशोरावय सशक्तिकरण के बारे में किशोरियों और किशोरों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल।**	बाल विवाह और हिंसा का समाधान करने में एक साथ कार्य करने के लिए किशोरियों एवं किशोरों की नेतृत्व क्षमता का निर्माण करना।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक, मनोवैज्ञानिक
उत्पाद 11	**बाल विवाह एवं हिंसा से निपटने के लिए अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के लिए ट्रेनिंग मॉड्यूल।**	बाल विवाह संबंधित मुददों से कैसे निपटे इसके संदर्भ में अग्रिम पंक्ति कार्यकर्ताओं का नेतृत्व क्षमता का निर्माण करना।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक
उत्पाद 12	**किशोरावस्थाी सशक्तिकरण के लिए कानून एवं नीति का समर्थन।**	भारत सरकार द्वारा लागू कानूनों और योजनाओं के बारे में सामुदायिक कार्यकर्ताओं और किशोरवयों को सक्षम बनाना।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक, आर्थिक
उत्पाद 13	**जोखिम न्यूनीकरण रणनीति- बाल विवाह और लिंग आधारित हिंसा का समाधान करने हेतु हितधारकों के लिए चर्चा के विषय।**	बाल विवाह और लिंग आधारित हिंसा मुद्दों का समाधान करने में विभिन्न हितधारकों को समझाने के लिए चर्चा के विषयों और तर्कों के साथ प्रशिक्षकों एवं सामुदायिक कार्यकर्ताओं को सक्षम बनाना।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक
उत्पाद 14	**माता-पिता बैठक के मार्गदर्शन के लिए संसाधन पुस्तिका।**	सामुदायिक क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को इस लायक बनाना कि वो माता-पिता के बैठक में होने वाली अन्तर-पिढी बातचीत का नेतृत्व कर सकें और ऐसी अनुकुल वातावरण बना सकें जिसमे किशोर अपने हकों को प्राप्त कर सकें	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक, मनोवैज्ञानिक
उत्पाद 15	**श्रव्य-दृश्य साधन** • **सार्वजनिक समाजिक विज्ञापन;** • **सर्वोत्तम प्रथाएं और सफलता की कहानियां** • **वित्तीय योजनाओं की बुनियादी बातों पर हास्यन पुस्तिकाएं।**	समुदाय में चर्चा शुरू करने के लिए समुदाय में श्रव्य- दृश्य दिखाना। उन किशोरवयों एवं सामुदायिक सदस्यों की सफलता की कहानियों को साझा करना जिन्होंने सामूहिक रूप से बाल विवाह, एचआईवी का समाधान किया है।	समाजिक-सांस्कृतिक, पारिवारिक/अंतर्वैयक्तिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक

संदर्भ

- भारत में किशोरवय, ए प्रोफाइल, भारत में यूएन प्रणालियों के लिए यूएनएफपीए, 2003
- एम. बंदोपाध्याय एवं आर सुब्रामण्यम, जेंडर इक्विटी इन एजुकेशन: ए रिव्यु ऑफ ट्रेंड्स एंड फैक्टर्स, कंसोर्टियम फार रिसर्च ऑन एजुकेशनल ऐक्सेस, ट्रांजीसन्स एंड इक्विटी, पथवेज टू ऐक्सेस, रिसर्च मोनोग्राफ नम्बर 18, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, अप्रैल 2008
- सर्व शिक्षा अभियान, जुलाई 2010 के लिए 12वें ज्वाइंट रिव्यू मिशन को उपलब्ध कराया गया डेटा
- यूनिसेफ-आईएसएसटी सम्मेलन की रिपोर्ट, हू केयर्स फॉर द चाइल्ड: जेंडर एंड द केयर रिजाइम इन इंडिया, यूनिसेफ-आईएसएसटी, सूरजकुंड, 8-9 दिसम्बर 2009
- अग्रवाल, एजुकेटिंग द गर्ल चाइल्ड : हू विल हेल्प हर लर्न, डाउन टू अर्थ, 15 नवम्बर 1992
- एम. दुरईसामी, डिमांड फॉर ऐक्सेस टू स्कूलिंग इन तमिलनाडु, इन ए. वैद्यनाथन एंड पी नायर (एडीशन), एलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया: ए ग्रॉसरूट्स व्यु, सेज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2001
- आर. कौल, ऐक्सेसिंग प्राइमरी एजुकेशन: गोइंग बियांड द क्लासरूम, इकोनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वाल्यूम 36, नम्बर 2, 13-19 जनवरी 2001
- के. जनध्याला, सो क्लोज एंड येट सो फार: प्राइमरी स्कूलिंग इन वारंगल डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश, इन वी. रामचन्द्रन (एडीशन), जेंडर एंड सोशल इक्विटी इन प्राइमरी एजुकेशन: हाईरार्किज़ ऑफ ऐक्सेस, सेज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2004
- एम.के. जब्बी एंड सी. राज्यलक्ष्मी, एजुकेशन ऑफ मार्जिनेलाइज्ड सोशल ग्रुप्स इन बिहार इन ए. वैद्यनाथन एंड पी नायर (एडीशन), ऐलिमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया: ए ग्रॉसरूट व्यू, सेज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2001
- इंडियाज नेक्स्ट जनरेशन ऑफ ग्रोथ, इंडिया इकोनोमिक समिति, नई दिल्ली, नवम्बर 2009, वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम, पेज 19. www.weforum.org/pdf/India/India09_report.pdf
- एन. कबीर, 'रिफ्लेक्शंस ऑन द मिजरमेंट ऑफ वूमेन्स इम्पॉवरमेंट' इन डिस्कसिंग वूमेन्स इम्पॉवरमेंट - थ्योरी एंड प्रेक्टिस, सीडा स्टडीज नवम्बर 3, स्टॉकहोम, 2001
- रिव्यु ऑफ आर्गेनाइजेशनल, एप्रोचेज फॉर एडोलसेंट इम्पॉवरमेंट, ब्रेकथ्रू, दिसम्बर 2014
- इम्पॉवरमेंट ऑफ यूथ, लोगों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए नीतियों और रणनीतियों के बारे में यूएनडीईएसए एक्स्पर्ट ग्रुप मीटिंग, टेकनीकल डिवीजन, यूएनएफपीएएचक्यू, 11 सितम्बर, 2013
- विश्व बैंक 2010
- यूथ पार्टिसिपेशन फॉर डेवलपमेंट: ए गाइड फॉर डेवलपमेंट ऐजेंसीज एंड पॉलिसी मेकर्स, एसपीडब्यूरे /डीएफआईडी- सीएसओ यूथ वर्किंग ग्रुप, 2010
- एचआईवी/एसटीडी प्रिवेंसन प्रोग्राम्स, एडवोकेट्स फॉर यूथ: कायला जैक्सन, एमपीए, डायरेक्टर 2002
- यूथ पार्टिसिपेशन फॉर डेवलपमेंट: ए गाइड फॉर डेवलपमेंट ऐजेंसीज एंड पॉलिसी मेकर्स, एसपीडब्यू/डीएफआईडी- सीएसओ यूथ ए. हर्विस एंड सी जैकब्स फेल्डमैन, हू स्पीक्स फॉर मी? इंडिंग चाइल्ड मैरिज, पापुलेशन रिफरेंस ब्यूरो, 2011
- आर लिवाइन और एम टेमिन, स्टार्ट विथ ए गर्ल, सेंटर फॉर ग्लोपबल डेवलपमेंट, 2009
- ओनिंग हर फ्यूचर: इम्पॉडवरिंग एडोलसेंट गर्ल्से, दासरा, मुम्बई
- द गर्ल इफेक्टर, फैक्टॉ शीट: इंडिया, www.thegirleffect.org पर उपलब्ध
- आर लिवाइन एंड एम टेमिन, स्टार्टर्ट विथ ए गर्ल, सेंटर फॉर ग्लोeबल डेवलपमेंट, 2009
- वर्किंग ग्रुप, 2010
- एनएफएचएस 3 (2005-2006)
- टचिंग लाइव्स इम्पॉवरिंग कम्युनिटीज: एविडेंसेस फ्रॉम पाइलट इंटरवेन्शंस, ममता, 2009
- ओनिंग हर फ्यूचर: इम्पॉडवरिंग एडोलसेंट गर्ल्स:, दासरा, मुम्बई
- एम ग्रीन एंड ए लिवैक, सिंक्रोनाइजिंग जेंडर स्ट्रेंटजीज: ए कॉपरेटिव मॉडल फॉर इम्प्रूविंग रिप्रोडक्टिव हेल्थ एंड ट्रॉसफार्मिंग जेंडर रिलेशंस, इंटरएजेंसी जेंडर वर्किंग ग्रुप, वाशिंगटन डीसी, 2010

- एम ग्रीन और जी बार्कर, मस्कीलीनिटी एंड इट्स पब्लिक हेल्थी इमप्लीकेशंस फॉर सेक्सुपअल एंड रिप्रोडक्टिव हेल्थफ एंड एचआईवी प्रिवेंशन, इन रूटलेज हैंडबुक ऑफ ग्लोलबल पब्लिक हेल्थ, रूटलेज, न्यूशयार्क, 2010
- एम ग्रीन और ए लिवैक, सिंक्रोनाइजिंग जेंडर स्ट्रेटजीज: ए कॉपरेटिव मॉडल फॉर इम्प्रूविंग रिप्रोडक्टिव हेल्थ एंड ट्रॉसफार्मिंग जेंडर रिलेशंस, इंटरएजेंसी जेंडर वर्किंग ग्रुप, वाशिंगटन डीसी, 2010
- द गर्ल इफेक्टे: व्हॉट डू ब्यांयज हैव टू डू विथ इट? आईसीआरडब्यूम मीटिंग रिपोर्ट 2012
- गुइडीस, एड्रेसिंग जेंडर-बेस्डं वाइलेन्स फ्रॉम द रिप्रोडक्टिव हेल्थ/एचआईवी सेक्टर: एक लिटरेचर रिव्यू एंड एनालिसिस, द पापुलेशन टेक्निकल एसिसटैन्स प्रोजेक्ट; एलटीजी एसोसिएट्स, इनकॉर्पोरेट, सोशल एंड साइंटिफिक सिस्टसम्स , इनकॉर्पोरेट, 2004
- जे. पुलरविज, जी बार्कर जी, एम सेगुंडो और एम नासीमेंटो, प्रोमोटिंग मोर जेंडर इक्वीटेबल नार्म्स एंड बिहैवियर्स एमंग यंग मेन ऐज ऐन एचआईवी/एड्स प्रिवेंशन स्ट्रेटेजी, होरीजोन्स फाइनल रिपोर्ट, 2006
- च्वाइसेस : ए करिकुलम फॉर 10 टू 14 ईयर ओल्ड्स इन नेपाल: इम्पॉवरिंग ब्या्यज एंड गर्ल्स टू चेंज जेंडर नार्म्स, सेव द चिल्ड्रन, 2009
- एनएएसडब्यू स्टैंडर्ड फॉर द प्रेक्टिस ऑफ सोशल वर्क विथ एडोलसेंट्स, नेशनल एसोसिएशन ऑफ सोशल वर्कर्स, एनएएसडब्यू पार्टनर्स इन प्रोग्राम प्लापनिंग फॉर एडोलसेंट हेल्थस (पीआईपीपीएएच) एडवाइजरी कमीटी स्टैंएडर्ड टास्क फोर्स (2002-2003)
- के. अस्ट्रियन, और डी घाटी, गर्ल सेन्टेर्ड प्रोग्राम डिजाइन: ए टूलकिट टू डेवलप, स्ट्रेंन्थेन एंड एक्सपैंड एडोलसेंट गर्ल्स प्रोग्राम्स्, पापुलेशन काउंसिल, 2010
- इंप्रूविंग द हेल्थ सेक्टर रिस्पांस टू जेंडर बेस्डं वाइलेन्स: ए रिसोर्स मैनुअल फॉर हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स इन डेवलपिंग कंट्रीज, आईपीपीएफ/डब्ल्यूएचआर टूल्स, 2010
- द गर्ल इफेक्ट: व्हॉट डू ब्वासयज हैव टू डू विथ इट? आईसीआर डब्यूनएए मीटिंग रिपोर्ट 2012
- अंडरस्टैंडिंग एडोलसेंट इम्पॉवरमेंट: ए क्वांलिटेटिव एक्सप्लोरेशन; 2014 नई दिल्ली, पापुलेशन काउंसिल एंड यूनिसेफ
- वैल्यूट एंड रेस्पेक्ट: मेक इंडिया ए सेफर प्लेस फॉर एडोलसेंट गर्ल्से एंड ब्वायज, बेसलाइन सर्वे रिपोर्ट, 2014, यूनिसेफ और न्यू कंसेप्ट
- किशोरवयों के लिए गर्भनिरोधक सेवाओं की पहुंच का विस्तार, पॉलिसी ब्रीफ, डब्यू एं एचओ, http://apps.who.int/iris/bitstream/10665/75160/1/WHO_RHR_HRP_12.21_eng.pdf?ua=1
- http://www.popcouncil.org/projects/41_BiruhTesfaSafeSpaces.asp
- अस्ट्रियन, के., जैक्शन हाकोंडा, एन., और हेवेट, पी. 2013। "द एडोलसेंट गर्ल्स इम्पॉवरमेंट प्रोग्राम: लेसंस लर्न्ड फ्रॉम द पायलट टेस्ट प्रोग्राम।" लुसाका: पापुलेशन काउंसिल
- एडोलसेंट इम्पॉरवरमेंट प्रोजेक्ट इन बांग्लादेश, यूनिसेफ
- जर्नल ऑफ सोशल सर्विस रिसर्च, वॉल्यूम 37, इश्यू 3, 2011; http://www.tandfonline.com/doi/abs/10.1080/01488376.2011.564045#.VCZjZLtxnIU
- बिकॉज आई एम ए गर्ल, द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड गर्ल्स 2014, पथवेज टू पॉवर: क्रिएटिंग सस्टेनेबल, चेंज फॉर एडोलसेंट गर्ल्सक, प्लान
- http://plan-international.org/girls/plans-goals.php?lang=en
- मिनिस्ट्री ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड सोशल असिसटेंस (एमस्पैस) रिपब्लिक ऑफ अल सल्वाडोर, सेंट्रल अमेरिका केस स्टलडी इंटरसेक्टोफरियल एक्सपीरियंस इन द इम्पॉवरमेंट ऑफ एडोलसेंट गर्ल्स
- ब्राडी, एम., एट एल. (2007)। प्रोवाइडिंग न्यूल अपरच्यूफनिज्म टू एडोलसेंट गर्ल्स इन सोशियली कंजरवेटिव सेटिंग्स: द इसराक प्रोग्राम इन रूरल अपर इजिप्टस। न्यूयार्क, एनवाई: पापुलेशन काउंसिल
- मानवीय स्थितियों में किशोरियों के लिए लिंग आधारित हिंसा के जोखिम को कम करने हेतु आर्थिक मजबूती: यूनिसेफ, चाइल्डि प्रोटेक्शिन इन क्राइसिस, वूमेन्स् रिफ्यूजी कमीशन, अगस्त् 2013
- राइट्स एंड डिजायर- ए फैसिलिटेटर्स मैनुअल ऑन हेल्थी सेक्सवेलिटी बाई अजीजा अहमद और सुनीता मेनन http://www.breakthrough.tv/o/download/rights-and-desire-a-facilitators-manual-to-healthy-sexuality/
- एकसाथ मिलकर हम परिवर्तन कर सकते हैं- ए किशोरी शक्ति कम्युनिकेशन रिसोर्स फॉर एक्सन बाई यूनिसेफ महाराष्ट्र
- एडोलसेंट गर्ल्स लाइफ स्किल्स प्रोग्राम, जेंडर इन डेवलपमेंट-फैसिलिटेटर्स हैंडबुक बाई यूनिसेफ महाराष्ट्र ।
- एडोलसेंट गर्ल्स लाइफ स्किल्स प्रोग्राम, जेंडर इन डेवलपमेंट- ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स मॉड्यूल 1,2 एंड 3 बाई यूनिसेफ महाराष्ट्र।
- हेल्थीं रिलेशनशिप बाई एमी व्लोडास्की एंड क्लाउडिया इकोनी, http://plaza.ufl.edu/cfaccone/relationships.html"
- एडवोकेट फॉर यूथ http://www.advocatesforyouth.org/index.php
- "http://psych11-05.wikispaces.com/1.+Low+and+High+Self-Confidence"
- माइंड टूल्स, "http://www.mindtools.com/selfconf.html"
- द फूड प्रोजेक्ट, ट्रस्ट/ बिल्डिंग एक्टीविटीज, http://thefoodproject.org/trust-building-activities
- http://www.slideshare.net/johnpaulgolino/setting-goals-and-making-decisions
- eHow 1999 http://www.ehow.com/how_4432184_negotiate-parents.html

- वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ सेक्सोलोजी हांगकांग 1999 “http://sexuality.about.com/od/sexinformation/a/sexualrights.htm”
- सेक्सप्रेस्सो ब्लॉग मैगजीन http://www.sexpresso.org/en/was/28- declaration-of-sexual-rights-en.html
- हावर्ड यूनिवर्सिटी “http://osapr.harvard.edu/pages/rape”
- ब्राउन यूनिवर्सिटी http://brown.edu/Student_Services/Health_Services/Health_Education/sexual_assault_&_dating_violence/sexual_assault_&_rape.php”
- ईस्टर्न न्यू मैक्सिको यूनिवर्सिटी “http://www.enmu.edu/services/police/prevention/sexual-assault.shtml
- जेपीएस हेल्थ नेटवर्क “http://www.jpshealthnet.org/health_care_services/sexual_assault_nurse_examiner_program/sexual_assault_myths”
- हावर्ड यूनिवर्सिटी “http://osapr.harvard.edu/pages/rape”
- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी http://studentaffairs.stanford.edu/sara/education/facts_myths/myths_sexual_assault
- रेप विक्टिम एडवोकेट्स http://www.rapevictimadvocates.org/myths.asp
- http://www.secasa.com.au/index.php/ survivors/4/9;
- http://www.satrc.org/Definitions.pdf;
- http://www.survivingtothriving.org/factsandmyths
- हेल्थीजेन, http://www.healthizen.com/treatments-procedures/how-can-people-tell-if-they-have-aids.aspx”
- यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न केप, एचआईवी/एड्स प्रोग्राम, http://www.hivaids-uwc.org.za/index.php/faqve sex.
- बच्चों का विकास, यूनिसेफ 2007
- जिला स्तरीय परिवार एवं सुविधा सर्वेक्षण 2007-08 - तथ्य पत्रक-भारत
- बाल विवाह आज ही समाप्त करें, यूनिसेफ, नई दिल्ली, 2013
- एनएफएचएस भारत के 29 राज्यों में परिवारों के प्रतिनिधि प्रतिदर्श में किया गया एक व्यापक, बहु राउंड सर्वेक्षण है। सर्वेक्षण के तीन राउंड में अब तक 1992-1993 में पहला राउंड और उसके बाद क्रमश: 1998-1999 और 2005-2006 में दो और राउंउ आयोजित किए गए। एनएफएचएस का चौथा राउंड 2014-2015 में जारी किया गया। सर्वेक्षण उर्वरता, शिशु एवं बाल मृत्युेदर, परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, प्रजनन स्वास्थ्य, पोषण, एनीमिया, स्वास्थ्य का उपयोग और गुणवत्ता, परिवार नियोजन सेवाएं और एचआईवी/एसटीआई पर भारत के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य. स्तार की जानकारी प्रदान करता है।
- डीएलएचएस एक घरेलू सर्वेक्षण है जो प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य क और सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं द्वारा उपलब्ध करायी गयी सेवाओं के उपयोग पर राष्ट्रीय, राज्य् एवं जिला स्तार की जानकारी जुटाने के लिए देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में किया गया। तीन राउंड के सर्वेक्षण में अबतक 1998-1999 में पहला राउंड और उसके बाद क्रमश: 2002-2004 में और हाल ही में 2007-2008 में दो और राउंड आयोजित किए गए। डीएलएचएस का चौथा राउंड (2012-13) 9 राज्यों के लिए जारी किया गया है https://nrhm-mis.nic.in/SitePages/DLHS-4.aspx
- विश्व जनसंख्या की स्थिति 2005, यूएनएफपीए
- दुनिया भर के बच्चों् की स्थिति 2011, एडोलसेंस- एन ऐज ऑफ आपर्टूनिटी, यूनिसेफ
- बाल विवाह: एक हानिकारक प्रथा, यूनिसेफ, 2005
- मार्गरिट ई ग्रीन, बाल विवाह समापन: क्या, शोध आवश्यएक है, ग्रीनवर्क्स, जनवरी 2014
- बाल विवाह का अंत: धारणाओं और मान्यताओं को बदलें, यूनिसेफ 2013
- लीला दुबे, मिस एडवेंचर्स इन एम्नीओसेन्टेसिस, इकॉनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 18 (8), 1983
- जन्म के समय मां की उम्र के अनुसार बाल मृत्युी दर, एनएफएचएस 2005-2006
- विवाहित महिलाओं का प्रतिशत जिन्हें सार्वजनिक स्थाकनों पर अकेले जाने की अनुमति दी गयी है, एनएफएचएस 2005-2006
- घरेलू निर्णय लेने में शामिल विवाहित महिलाओं का प्रतिशत, एनएफएचएस 2005-2006
- लिंग, समाजिक समूहों के अनुसार कक्षा 1 से 10 तक स्कूल छोड़ने वालों की दर , एसईएस एमओएचआरडी 2007-2008
- बाल विवाह का अंत : धारणाओं और मान्याताओं को बदलें, यूनिसेफ 2013
- नॉट रेडी : विवाह की उम्र में देरी पर भारत से उदाहरण, आईसीआरडब्ल्यू, 2008
- एफएलडब्यूएस- जैसे कि आशा- अधिकृत समाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, एडब्यूडब्यू - आंगनवाडी कर्मचारी और एएनएम- सहायक नर्स मिड-वाइफ

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

breakthrough
human rights start with you

E-1A, First Floor, Kailash Colony, New Delhi 110 048, India
☎ 91-11-41666101 91-11-41666107

contact@breakthrough.tv

www.inbreakthrough.tv
/BreakthroughIN
@INBreakthrough

unicef
unite for children

73 Lodi Estate, New Delhi 110 003, India
☎ 91-11-24690401 91-11-24627521

newdelhi@unicef.org

www.unicef.in
/unicefindia
@UNICEFIndia